NBT
नवभारत टाइम्स
www.delhi.nbt.in । नवभारत टाइम्स । नई दिल्ली । गुरुवार, 30 सितंबर 2021
दिल्ली : महानगर : महाकवरेज

त्योहार ठीक से बीत जाएं, फिर खुलेंगे 8वीं तक के बच्चों के स्कूल

DDMA मीटिंग में फेस्टिव सीजन तक इंतजार की बात

Bhupender.Sharma@timesgroup.com

सीनियर क्लासेज के लिए स्कूल खुले अब एक महीना हो गया है

- दिवाली से पहले बाकी क्लासेज के लिए स्कूल खोले जाने की तारीख फाइनल होगी
- अब स्पेशल कैंप और मोबाइल वैन के जरिए भी बढ़ाया जाएगा कोविड वैक्सीनेशन

■ **नई दिल्ली:** 6 से 8वीं क्लास तक के बच्चे अब दिवाली के बाद ही अपने स्कूल जा सकेंगे। दिल्ली आपदा प्रबंधन अथॉरिटी (डीडीएमए) ने बुधवार को तय किया है कि फेस्टिव सीजन के बाद ही 8वीं क्लास तक के स्कूल खोले जाएंगे। अक्टूबर में फेस्टिव सीजन शुरू हो जाता है और नवंबर के पहले हफ्ते (4 नवंबर) में दीवाली है। उसके बाद छठ पूजा का पर्व होता है।

बताया जा रहा है कि दीवाली से पहले डीडीएमए की बैठक में बाकी क्लासेज के लिए स्कूल खोले जाने की तारीख तय क जाएगी। पहले छठी से 8वीं क्लास तक के स्कूल खुलेंगे और उसके बाद प्राइमरी क्लासेज के बारे में फैसला होगा। उपराज्यपाल अनिल बैजल की अध्यक्षता में हुई डीडीएमए की बैठक में स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन, राजस्व मंत्री कैलाश गहलोत, नीति आयोग के सदस्य डॉ वीके पॉल और एम्स डायरेक्टर समेत विशेषज्ञ शामिल हुए।

दिल्ली में सीनियर क्लासेज (9वीं से 12वीं) के लिए स्कूल खुले अब एक महीना हो गया है और शिक्षा विभाग ने बुधवार को डीडीएमए की बैठक में अपनी रिपोर्ट रखी। रिपोर्ट में बताया गया कि अब स्कूलों में स्टूडेंट्स की संख्या बढ़ रही है और अभी तक के अनुभव अच्छे रहे हैं। विशेषज्ञों की राय और अधिकारियों से विचार विमर्श के बाद तय किया गया कि फेस्टिवल सीजन यानी दीवाली के बाद जूनियर कक्षाओं के स्कूल भी खोल दिए जाएंगे। डीडीएमए ने माना है कि शहर में कोविड की स्थिति अभी नियंत्रण में है लेकिन एहतियात बरतना जारी रखना चाहिए।

स्कूल संगठन भी खुश: स्कूल संगठनों ने भी डीडीएमए के फैसले का स्वागत किया है। वीएसपीके एजुकेशन सोसायटी के अध्यक्ष एसके गुप्ता का कहना है कि सीनियर क्लासेज के बाद अब जूनियर क्लासेज के स्कूल खोलने की तैयारी शुरू की जाएगी। डीडीएमए की गाइडलाइंस के मुताबिक स्कूलों को तैयारी करने के लिए पर्याप्त समय भी मिल रहा है। प्राइवेट स्कूलों की एक्शन कमिटी के जनरल सेक्रेटरी भरत अरोड़ा ने कहा कि अब स्कूलों में बच्चे वापस आ रहे हैं और हमें पूरा यकीन है कि जिस तरह से सीनियर क्लासेज के स्टूडेंट्स की पढ़ाई फिर से पटरी पर लौट रही है, उसी तरह से जूनियर क्लासेज के बच्चों के लिए भी शिक्षण गतिविधियां शुरू होंगी।

प्री बोर्ड एग्जाम: सरकारी स्कूलों में 10वीं और 12वीं में पढ़ने वाले छात्रों की प्री-बोर्ड की परीक्षाएं 21 अक्टूबर से शुरू होंगी। शिक्षा निदेशालय ने दिशानिर्देश जारी कर दिए हैं। अक्टूबर में सरकारी स्कूलों में प्री बोर्ड एग्जाम होंगे और फिर नवंबर की शुरुआत में दीवाली है। माना जा रहा है कि नवंबर के दूसरे हफ्ते में जूनियर क्लासेज के बच्चों को स्कूल जाने का मौका मिल सकता है।

वैक्सीनेशन के लिए मोबाइल वैन: बैठक में वैक्सीनेशन के स्टेटस पर भी चर्चा हुई। उपराज्यपाल ने निर्देश दिए कि स्पेशल कैंप और मोबाइल वैन के जरिए भी वैक्सीनेशन के अभियान में तेजी लाई जाए। ऑटो-टैक्सी ड्राइवरों, बस ड्राइवर समेत सभी ग्रुप के लोगों को वैक्सीनेशन के दायरे में लाने के लिए रणनीति बनाई जाए। जो लोग किन्हीं भी कारणों से वैक्सीनेशन सेंटर अभी तक नहीं जा पाए है, उनके लिए कैंप और मोबाइल वैन के जरिए वैक्सीनेशन अभियान चलाया जाए।

स्कूल खोलने के लिए दशहरे के बाद से शुरू होगी तैयारी

Katyayani.Upreti@timesgroup.com

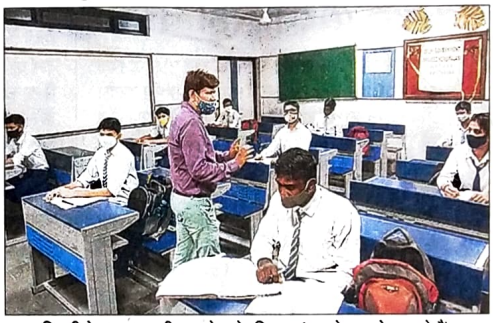

दिल्ली के सभी क्लासेज के लिए नवंबर से खुलने जा रहे हैं

- ट्रांसपोर्ट के लिए भी सरकार से हरी झंडी का कर रहे हैं इंतजार
- लेकिन पैरेंट्स इस फैसले के लिए अभी पूरी तरह से तैयार नहीं हैं
- क्लास 9 से 12 के काफी कम स्टूडेंट्स आ रहे हैं स्कूलों में

■ **दिल्ली के** स्कूल फेस्टिव सीजन के बाद क्लास 6 से 8 के लिए भी नवंबर से खुलने की उम्मीद है। अभी क्लास 9 से 12 के लिए फिजिकल मोड में स्कूल चल रहे हैं और नवंबर में फेस्टिव सीजन के बाद स्कूलों को क्लास 6 से क्लास 8 के लिए भी खोलने की तैयारी है। स्कूल दशहरे के बाद से इसकी तैयारी में जुटेंगे। हालांकि, उनका कहना है कि छोटे बच्चों की अटेंडेंस स्कूलों में तभी ऊपर रहेगी, जब स्कूली बसें और वैन शुरू होंगी। दूसरी ओर, पैरेंट्स इस फैसले के लिए अभी पूरी तरह से तैयार नहीं हैं क्योंकि पहले वे त्योहारों के बाद कोविड की स्थिति का जायजा लेना चाहते हैं।

क्लास 9 से 12 के बाद अब क्लास 6 से 8 के लिए नवंबर से स्कूल खुलने की उम्मीद से स्कूल खुश हैं। पुष्प विहार के बिड़ला विद्या निकेतन की प्रिंसिपल मीनाक्षी कुशवाहा का कहना है, यह बच्चों के लिए अच्छा फैसला है क्योंकि लर्निंग गैप बढ़ता जा रहा है। पैरेंट्स की सहमति लेने के लिए हम फेस्टिव सीजन पूरा होने का इंतजार करेंगे। आधी आधी क्लास को ही अलग अलग दिन बुलाया जाएगा। ऑनलाइन पढ़ाई जारी रहेगी। इस वक्त सरकार, डॉक्टर्स, एक्सपर्ट्स को भी पैरेंट्स को गाइड करना चाहिए ताकि वे कॉन्फिडेंस के साथ बच्चों को स्कूल भेजें। मगर अगर ट्रांसपोर्ट सर्विस शुरू नहीं हुई तो अटेंडेंस कम रहेगी। माउंट आबू पब्लिक स्कूल, रोहिणी की प्रिंसिपल ज्योति अरोड़ा कहती हैं, हम दशहरे के बाद ही पैरेंट्स को कन्सेंट फॉर्म भेज देंगे क्योंकि यह लंबी प्रक्रिया है। अभी क्लास 9 से 12 के लिए हमारे पास 90-95% स्टूडेंट्स पहुंच रहे हैं मगर जब एग्जाम नहीं होते तो 55% से 65% स्टूडेंट्स ही स्कूल आ रहे हैं। अब छोटे बच्चों को स्कूल बुलाना है तो पैरेंट्स का भरोसा जीतना होगा। इसके लिए उनके साथ सेशन रखे जाएंगे। बच्चों की भी सोशल डिस्टेंसिंग को लेकर ट्रेनिंग दी जाएगी। ट्रांसपोर्ट की भी हमें जरूरत होगी। हालांकि अगर 50% क्षमता के साथ बसें शुरू की जाए तो चार्ज भी बढ़ेंगे।

> पैरेंट्स इस फैसले के लिए अभी पूरी तरह से तैयार नहीं हैं, क्योंकि पहले वे त्योहारों के बाद कोविड की स्थिति का जायजा लेना चाहते हैं

पीतमपुरा के एम एम पब्लिक स्कूल की प्रिंसिपल रूमा पाठक कहती हैं, तैयारी से पहले हमें शिक्षा निदेशालय की गाइडलाइंस का इंतजार है। अभी क्लास 9 से 12 के हमारे पास 60%-70% स्टूडेंट्स स्कूल आ रहे हैं, पैरेंट्स से बात करके ही बाकी क्लासेज के लिए रिस्पॉन्स का अंदाजा होगा। वहीं, मयूर विहार के एएसएन सीनियर सेकंडरी स्कूल की प्रिंसिपल स्वर्णिका लुथरा कहती हैं, स्कूल खुलने के बाद भी हाइब्रिड मोड में पढ़ाई होगी। फेस्टिव सीजन के बाद ही तैयारी होगी। इस दौरान पैरेंट्स का रोल है कि वे बच्चों को कोविड प्रोटोकॉल के बारे में समझाएं और वे भी सुरक्षा कवच बनाकर बाहर निकलें।

ट्रांसपोर्ट जरूरी, गाइडलाइंस का इंतजार

अनऐडेड रिकॉग्नाइज्ड प्राइवेट स्कूल्स एक्शन कमिटी के सेक्रेटरी भरत अरोड़ा कहते हैं कि इस फैसले के लिए हम सरकार पैरेंट्स की स्कूलों से डिमांड है कि स्कूल खुलने के साथ ट्रांसपोर्ट सर्विस भी शुरू की जाए। हम चाहते हैं कि इसके लिए सरकार स्कूलों को एक महीने या कम से कम 15 दिन का समय दें, ताकि वो समय पर अपना ट्रांसपोर्ट इसे शुरू कर सके। इसके लिए हमें सरकार से गाइडलाइंस का इंतजार है।

जो करे वॉयलेशन, हो एक्शन

वहीं, दिल्ली पैरेंट्स असोसिएशन की प्रेजिडेंट अपराजिता गौतम कहती हैं, स्कूल खोलना ठीक है मगर त्योहारों के बाद कोविड का रिव्यू जरूरी है। कोविड 19 को लेकर पैरेंट्स के अंदर बड़े बच्चों को स्कूल भेजने का कॉन्फिडेंस नहीं है और छोटे बच्चों के लिए तो वे और भी डरे हैं। साथ ही, सरकार हाइब्रिड लर्निंग की बात कर रही है तो उसे उन स्कूलों पर एक्शन लेना चाहिए, जो उल्लंघन कर रहे हैं। आज भी वे बच्चों को मजबूरी में स्कूल भेज रहे हैं क्योंकि स्कूल एग्जाम के बहाने उन्हें स्कूल आने को मजबूर कर रहे हैं।